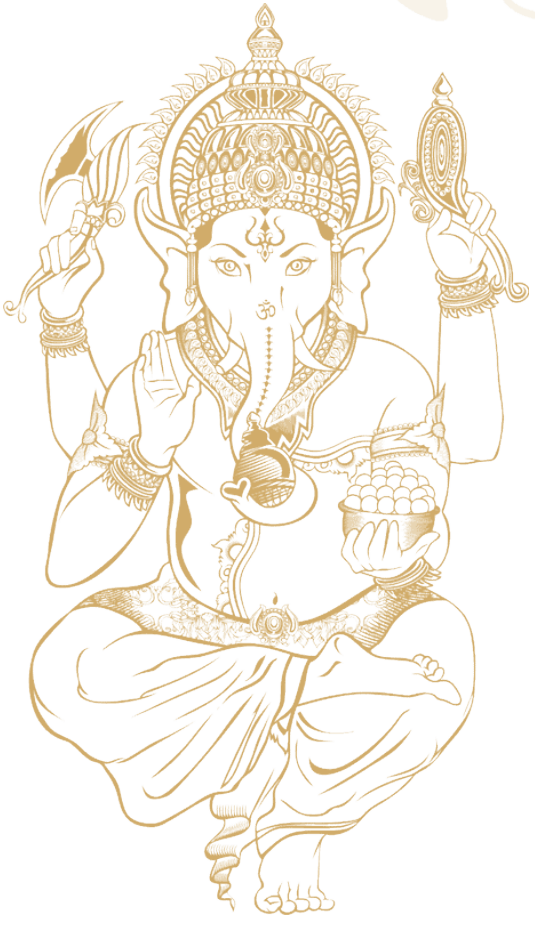

Naveen Gunjan

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121248006

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/11/1991	जन्म तिथि	16/09/1994
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 21:35:00	जन्म समय	21:15:00 घंटे
घटी 39:37:33	जन्म समय(घटी)	39:40:32 घटी
India	देश	India
Bhatpara	स्थान	Ringas
22:51:00 उत्तर	अक्षांश	27:21:00 उत्तर
88:31:00 पूर्व	रेखांश	75:27:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:28:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:58	सूर्योदय	06:13:50
16:55:09	सूर्यास्त	18:32:03
23:44:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:13

विंशोत्तरी शनि 16वर्ष 6मा 9दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 0वर्ष 9मा 24दि
केतु	29:59:28	मिथु	लग्न	मेष	25:04:40	गुरु
18/05/2025	20:59:59	तुला	सूर्य	सिंह	29:45:38	11/07/2020
17/05/2032	05:04:11	वृश्चि	चंद्र	मक	22:14:44	11/07/2036
केतु 14/10/2025	21:13:20	तुला	मंगल	मिथु	25:40:22	गुरु 29/08/2022
शुक्र 14/12/2026	10:43:48	वृश्चि	बुध	कन्या	24:03:01	शनि 11/03/2025
सूर्य 21/04/2027	16:42:54	सिंह	गुरु	तुला	18:36:24	बुध 17/06/2027
चन्द्र 20/11/2027	04:34:45	कन्या	शुक्र	तुला	13:12:58	केतु 23/05/2028
मंगल 17/04/2028	07:22:28	मक	शनि व	कुंभ	14:06:18	शुक्र 22/01/2031
राहु 05/05/2029	17:29:32	धनु व	राहु व	तुला	22:27:02	सूर्य 10/11/2031
गुरु 11/04/2030	17:29:32	मिथु व	केतु व	मेष	22:27:02	चन्द्र 11/03/2033
शनि 21/05/2031	17:05:41	धनु	हर्ष व	धनु	28:41:59	मंगल 15/02/2034
बुध 17/05/2032	20:43:52	धनु	नेप व	धनु	26:51:25	राहु 11/07/2036
	26:19:23	तुला	प्लूटो	वृश्चि	01:58:45	

लग्न-चलित

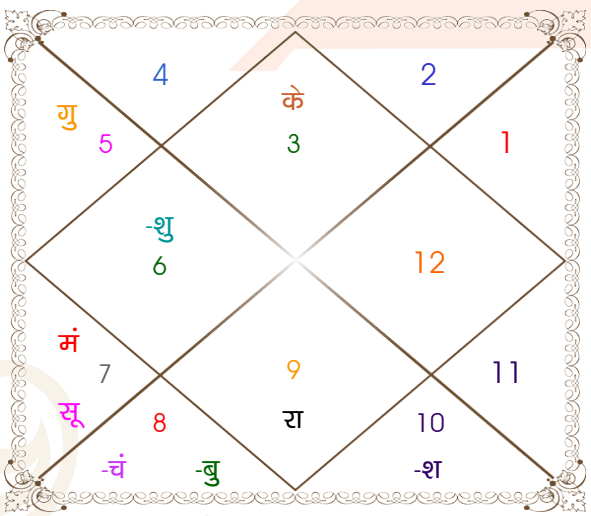

लग्न-चलित

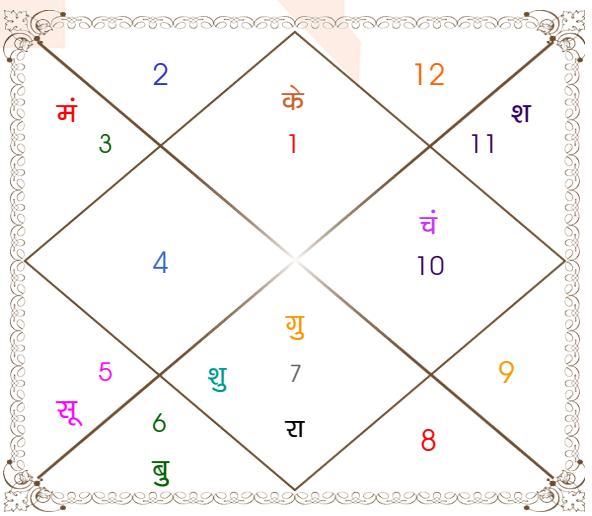

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Naveen का वर्ग सर्प है तथा Gunjan का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और Gunjan का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Gunjan मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Naveen तथा Gunjan में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।